



Haryana Board Syllabus 2024-25

aglasem.com

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रम एवं अध्यायवार अंको का विभाजन(2024-25)

कक्षा-: 11वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत (वादन) MHI कोड: 645

सामान्य निर्देश:

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर एक वार्षिक परीक्षा होगी।
2. वार्षिक परीक्षा 30 अंकों की होगी, प्रायोगिक/क्रियात्मक परीक्षा 50 अंकों की होगी और आंतरिक मूल्यांकन 20 अंकों का होगा।
3. प्रायोगिक/क्रियात्मक परीक्षा 50 अंकों के लिए निम्न प्रकार से प्रश्न पूछे जायेंगे -
 - i) 20 अंकों की प्रायोगिक/क्रियात्मक पुस्तिका।
 - ii) किसी एक राग के शास्त्रीय परिचय के 05 अंकों की मौखिक परीक्षा।
 - iii) किसी एक ताल का शास्त्रीय परिचय के 05 अंकों की मौखिक परीक्षा।
 - iv) किसी एक राग और किसी एक ताल के (एक सरगम गीत, एक झाला तथा एक विलंबित गत सहित) के क्रियात्मक ज्ञान के लिए 15 अंक।
 - v) भजन, राष्ट्रीय गान (अपने वाद्य पर) के मौखिक ज्ञान तथा क्रियात्मक परीक्षा के लिए 05 अंक।
4. आंतरिक मूल्यांकन के लिए निम्नानुसार आवधिक मूल्यांकन होगा:
 - i) 06 अंकों के लिए तीन SAT परीक्षा आयोजित की जायेगी जिनका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 06 अंकों का भारांक होगा।
 - ii) 02 अंकों के लिए एक अर्ध-वार्षिक परीक्षा आयोजित की जायेगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।
 - iii) 02 अंकों के लिए विषय शिक्षक CRP (कक्षा कक्ष की भागीदारी) के लिए मूल्यांकन करेंगे और अधिकतम 02 अंक देंगे।
 - iv) 05 अंकों के लिए छात्रों द्वारा एक परियोजना कार्य किया जायेगा जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 05 अंकों का भारांक होगा।



- v) 05 अंकों के लिए विद्यार्थी की उपस्थिति के निम्नानुसार 05 अंक प्रदान किए जायेंगे।

75% से 80% तक - 01 अंक

80% से अधिक से 85% तक - 02 अंक

85% से अधिक से 90% तक - 03 अंक

90% से अधिक से 95% तक - 04 अंक

95% से अधिक से 100% तक - 05 अंक



पाठ्यक्रम संरचना (2024-25)

कक्षा-: 11वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत (वादन) MHI कोड: 645

क्रम संख्या	अध्याय	अंक
1	संगीत (परिचय एवं परिभाषाएं)	06
2	गायन वादन शैलियां	03
3	थाट तथा राग	03
4	उत्तरी तथा दक्षिणी भारतीय स्वरलिपि पद्धति	03
5	तालों का अध्ययन	03
6	रागों का अध्ययन	12
7	संगीतज्ञों के जीवन परिचय	
8	संगीत का इतिहास	
कुल		30
प्रायोगिक परीक्षा		50
आंतरिक मूल्यांकन		20
कुल योग		100



1. संगीत (परिचय एवं परिभाषाएं)

- संगीत की परिभाषा
- संगीत का परिचय
- संगीत के प्रकार
- सुगम संगीत व शास्त्रीय संगीत
- लोक संगीत की विवेचना
- ध्वनि की परिभाषा
- नाद, नाद की परिभाषा, अर्थ, प्रकार, नाद के लक्षण तथा महत्व
- श्रुति का शाब्दिक अर्थ तथा परिभाषा
- श्रुति स्वर स्थापना
- स्वर, स्वर के प्रकार, शुद्ध व विकृत स्वर
- सप्तक, सप्तक के प्रकार

2. गायन वादन शैलियां

- गीत की परिभाषा व भाग
- लक्षण गीत
- सरगम गीत
- झाला तथा उसकी विशेषताएं
- गत की परिभाषा, प्रकार तथा अन्य विशेषताएं
- निबद्ध तथा अनिबद्ध गान

3. थाट तथा राग

- थाट की परिभाषा नियम तथा विशेषताएं
- राग की परिभाषा नियम तथा विशेषताएं

4. उत्तरी तथा दक्षिणी भारतीय संगीत पद्धति

- स्वर लिपि की परिभाषा तथा प्रकार



- उत्तरी भारतीय संगीत पद्धति के अविष्कारक तथा चिन्ह
- दक्षिणी भारतीय संगीत पद्धति के अविष्कारक तथा चिन्ह
- दोनों पद्धतियों में समानताएं तथा असमानताएं
- स्वरलिपि पद्धति के लाभ तथा हानियां

5. तालों का अध्ययन

- लयतथा ताल की परिभाषा
- तीन ताल, कहरवा, रूपक और दादरा
(उपरोक्त तालों का शास्त्रीय परिचय, 1 गुण तथा 2 गुण) क्रियात्मक ज्ञान के साथ

6. रागों का अध्ययन

- राग आसावरी
- राग जौनपुरी
- राग यमन
(उपरोक्त रागों की द्रुत गत, स्वरलिपी, आरोह, अवरोह, पकड़, दो अलाप, दो तोड़े सहित)
- रागों में अलंकारों का निर्माण तथा उनका नियमित अभ्यास।
- दिए गए स्वर समूह से राग पहचानना।
- किसी भी एक राग में एक सरगम गीत, एक झाला व एक विलंबित गत।

7. संगीतज्ञों के जीवन परिचय

- पन्ना लाल घोष
- निखिल बनर्जी
- पं. रविशंकर

8. संगीत का इतिहास

- वैदिक काल से 12वीं शताब्दी तक संगीत रत्नाकर सहित

क्रियात्मक संगीत

- निम्नलिखित रागों का द्रुत गत, (आलाप तथा तोड़े सहित)



- राग आसावरी
- जौनपुरी
- यमन
 - (प्रत्येक राग में कम से कम एक द्रुत गत)
 - पाठ्यक्रम में दिए गए रागों में से किसी भी एक राग में कम से कम 1 विलम्बितगत, एक सरगम गीत तथा एक झाला
- एक भजन
- राष्ट्रीय गान (अपने वाद्य पर)
- तीन ताल, कहरवा, रूपक ताल, दादरा ताल में 1 गुण तथा 2 गुण हाथ पर बजा कर



मासिक पाठ्यक्रम शिक्षण योजना (2024-25)

कक्षा:- 11वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत (वादन) MHI कोड: 645

मास	विषय -वस्तु	शिक्षण कालांश	दोहराई कालांश	प्रयोगात्मक कार्य
अप्रैल	संगीत, ध्वनि, नाद, श्रुति, स्वर, स्वर के प्रकार, सप्तक सप्तक के प्रकार, अलंकार की परिभाषाएं। लोकसंगीत, सुगम संगीत, शास्त्रीय संगीत	12	08	04
मई	गीत, लक्षण गीत, सरगम गीत, तराना खयाल, निबद्ध गान तथा अनिबद्ध गान 1 भजन (क्रियात्मक रूप में)	12	08	04
जून	ग्रीष्म कालीन अवकाश (गतिविधि आवंटित की जाए)			
जुलाई	थाट तथा राग तीनताल, राग आसावरी,	10	05	09
अगस्त	उत्तर तथा दक्षिणी भारतीय स्वरलिपि पद्धति राष्ट्रीय गान (अपने वाद्य पर) क्रियात्मक रूप में	12	06	06
सितंबर	दोहराई अर्ध वार्षिक परीक्षा		12	
अक्तूबर	कहरवा ताल, रूपक तथा दादराताल (1 गुण तथा 2 गुण सहित) विद्यार्थी ताल को हाथ पर बजाने में सक्षम हो।	08	04	12



	जौनपुरी तथा यमन का शास्त्रीय परिचय आरोह, अवरोह, पकड़ सहित			
नवंबर	दिए गए स्वर समूह में से राग पहचानना प्रत्येक राग के प्रत्येक राग की द्रत गत की बदिंश स्वरलिपि तथा आलाप व तोड़े उपरोक्त किसी भी एक राग में विलंबित गत, 1 सरगम गीत तथा 1 तराना तथा एक झाला (प्रायोगिक ज्ञान के साथ)	08	04	12
दिसंबर	पन्ना लाल घोष निखिल बनर्जी पं. रविशंकर का जीवन परिचय	12	06	06
जनवरी	वैदिक काल से 12वीं शताब्दी तक संगीत रत्नाकर सहित	06	04	06
फ़रवरी	दोहराई			
मार्च	वार्षिक परीक्षा			



नोट:

- विषय शिक्षकों को सलाह दी जाती है कि वे छात्रों को शब्दावली या अवधारणा की स्पष्टता को बढ़ाने के लिए अध्यायों में उपयोग की जाने वाली शब्दावली / परिभाषात्मक शब्दों की नोटबुक तैयार करने के लिए निर्देशित करें।

प्रश्न पत्र प्रारूप(2024-25)

कक्षा:- 11वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत (वादन) MHI कोड: 645

समय: 2½ घंटे

प्रश्न का प्रकार	अंक	संख्या	विवरण	कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	01	08	02 बहु-विकल्पीय प्रश्न। 02 रिक्त स्थान भरो प्रश्न। 02 अभिकथन-कारण प्रश्न 02 एक शब्दीय प्रश्न।	08
अति लघुउत्तरात्मक प्रश्न	02	04	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	08
लघुउत्तरात्मक प्रश्न	03	03	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	09
दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न	05	01	प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	05
कुल		16		30



BOARD OF SCHOOL EDUCATION HARYANA

Syllabus and Chapter wise division of Marks (2024-25)

Class- 11th Subject: Hindustani Music Instrument (Melodic) Code:645

General Instructions:

1. There will be an annual examination based on the entire syllabus.
2. The annual examination will be of 30 marks. The practical (practical) test will be of 50 marks and the internal assessment will be of 20 marks.
3. Practical (Practical) Examination for 50 marks, questions will be asked in the following manner.
 - i) Practical Booklet of 20 marks.
 - ii) 5 marks for viva about classical knowledge of any one raga
 - iii) 5 marks for viva about classical knowledge of any one taal.
 - iv) 15 marks for working knowledge of anyone Raga and any one Taal (including one Sargam Geet, one Jhala and one Vilmbit Gat).
 - v) 05 marks for oral knowledge and practical test of Bhajan, National Anthem (on own instrument).
4. For Internal Assessment:

There will be Periodic Assessment that would include:

- i) For 6 marks- Three SAT exams will be conducted and will have a weightage of 06 marks towards the final Internal Assessment.
- ii) For 2 marks- One half yearly exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.
- iii) For 2 marks- Subject teacher will assess and give maximum 02 marks for CRP (Classroom participation).
- iv) For 5 marks- A project work to be done by students and will have a weightage of 05 marks towards the final Internal Assessment.
- v) For 5 marks- Attendance of student will be awarded 05 marks as:



75% to 80% - 01 marks

Above 80% to 85% - 02 marks

Above 85% to 90% - 03 marks

Above 90% to 95% - 04 marks

Above 95% to 100% - 05 marks



Course Structure (2024-25)

Class- 11th Subject: Hindustani Music Instrument (Melodic) Code:645

Sr. No.	Chapter	Marks
1	Music (Introduction and Definitions)	06
2	Singing and Playing styles	03
3	Thaat and raga	03
4	North and South Indian Notation system	03
5	Study of Taalas	03
6	Study of Raagas	12
7	Biographies of musicians	
8	History of music	
Total		30
Practical Examination		50
Internal Assessment		20
Grand Total		100



1. Music (Introduction and Definitions)

- Definition of Music
- Introduction to Music
- Types of Music
- Light music and classical music
- Interpretation of folk music
- Definition of Sound
- Sound, definition of sound, meaning, types, characteristics and importance of sound
- Literal meaning and definition of Shruti
- Shruti Swar Establishment
- Swara, types of Swara, pure and distorted (Shudh and Vikrit) Swara
- Saptak, Types of Saptak

2. Singing and playing Styles

- Definition and parts of a song
- Lakshan geet
- Sargam Geet
- Jhala and its features
- Gat, literal meaning of Gat, definition, types and other features
- Nibadh gaan and anibadh gaan

3. Thaata and Raaga

- Definition, rules and features of Thaata
- Definition, rules and characteristics of raga

4. Northern and Southern Indian Music Systems

- Definition and types of Notation



- Inventors and Symbols of North Indian Music System
- Inventor and symbol of South Indian music system
- Similarities and differences between the two methods
- Advantages and Disadvantages of Swarlipi System

5. Study of Taalas

- Definition of rhythm and beat
 - Teen Taal, Kaharwa, Rupak and Dadra
- (Classical introduction of the above talas, 1 guna and 2 guna)

6. Study of ragas

- Raga asavari
 - Raag Jaunpuri
 - Raga Yaman
- (including swarlipi, aaroh, avaroh, pakdar, two alap, two Todas and swarlipi of the above ragas)
- Creation of Alankar in ragas and their regular practice.
 - Identifying Raag from a given set of swaras.
 - One sargam song, one Jhala and one Vilambit Gat in any one raga.



7. Biographies of Musicians

- Panna Lal Ghosh
- Nikhil Banerjee
- Pt. Ravi Shankar

8. Music History

- Music from Vedic period to 12th century including Ratnakar

Practical:

- Drut Gat of the following Ragas (with Aalap and Todas)
- Raag Asavari
- Jaunpuri

- Yaman
 - (At least one Drut Gat in each raga)
 - At least 1 Vilambit Gat, one sargam song and one Jhala in any one of the ragas given in the syllabus
- devotional song (Bhajan)
- National Anthem On own Instrument
- 1 guna and 2 guna in Teen Taal, Kaharva, Rupak Taal, Dadra Taal by playing on hand



Monthwise Syllabus Teaching Plan (2024-25)

Class- 11th Subject: Hindustani Music Instrument (Melodic) Code:645

Month	Subject- content	Teaching Periods	Revision Periods	Practical Work
April	Definitions of Music, Sound, Naad, Shruti, Swar, Types of Swar, Saptak Saptak, Alankar. Folk Music, Light Music, Classical Music	12	08	04
May	Geet, Lakshan Geet, Sargam Geet, Jhala Gat, Nibaddha Gaan and Anibaddha gaan One Bhajan (in active form)	12	08	04
June	Summer Vacation (Activity to be assigned)			
July	thaat and raag Teental, Raag Aasavari,	10	05	09
August	north and south indian Notation system National Anthem (On own Instrument) in Action	12	06	06
September	Revision Half Yearly Exam		12	
October	Kaharva Tal, Rupak and Dadratal (with 1 gun and 2 gun) The student should be able to play the taal on hand.	08	04	12



	Classical introduction to Jaunpuri and Yaman with Aaroh, Avaroh, Pakad			
November	Identifying a Raag from a given set of notes Bandish swaralipi and alap and Tode of Dhrut Gat of each raga Vilambit Gat in any one of the above Ragas, 1 Sargam Geet and 1 Jhala (with practical knowledge)	08	04	12
December	Biography of - Panna Lal Ghosh - Nikhil Banerjee - Pt. Ravi Shankar	12	06	06
January	History of Music from the Vedic Period to the 12th Century with Sangeet Ratnakar	06	04	06
February	Revision			
March	Annual Examination			



Note:

- Subject teachers are advised to direct the students to prepare notebook of the Terminology/Definitional Words used in the chapters for enhancement of vocabulary or clarity of the concept.

Question Paper Design(2024-25)

Class- 11th Subject: Hindustani Music Instrument (Melodic) Code:645

Time: 2½ Hours

Type of Question	Marks	Number	Description	Total Marks
Objective type questions	01	08	02 Multiple choice questions. 02 Fill in the blanks Questions. 02 Assertion Reason Questions 02 One word questions	08
Very short answer type questions	02	04	Internal choice will be given in all questions.	08
Short answer questions	03	03	Internal choice will be given in all questions.	09
Long answerable Question	05	01	Question will be given with internal choice	05
Total		16		30



हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रम एवं अध्यायवार अंको का विभाजन(2024-25)

कक्षा- 11 वीं विषय: हिन्दुस्तानी संगीत तबला कोड: 652

सामान्य निर्देश:

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर एक वार्षिक परीक्षा होगी।
2. वार्षिक परीक्षा 30 अंकों की होगी। प्रयोगात्मक (क्रियात्मक) परीक्षा 50 अंकों की होगी और आंतरिक मूल्यांकन 20 अंकों का होगा।
3. प्रायोगिक/क्रियात्मक परीक्षा 50 अंकों के लिए निम्न प्रकार से प्रश्न पूछे जायेंगे -
 - i) 20 अंको की प्रायोगिक (क्रियात्मक) पुस्तिका।
 - ii) ताल तीन, ताल कहरवा, दादरा तथा रुपक का क्रियात्मक ज्ञान तथा तबले पर बजाने की क्षमता 1 गुण 2 गुण तथा चौगुण लय सहित 15 अंका।
 - iii) तीन ताल या आड़ी ताल में पेशकार या उठान, चार एडवांस कायदे, रेला, दो चक्करदार टुकड़े या परन, एक फरमाइशी चक्करदार टुकड़ा या परन 5 अंका।
 - iv) तीन ताल में पलटों के साथ रेले और तिहाई बजाने की क्षमता 5 अंका।
 - v) तीन ताल या आड़ी ताल और लहरा बजाने की क्षमता 5 अंका।
4. आंतरिक मूल्यांकन के लिए निम्नानुसार अधिक मूल्यांकन होगा।
 - i) 6 अंको के लिए तीन SAT परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी, जिनका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 6 अंकों का भारांक होगा।
 - ii) 2 अंकों के लिए एक अर्धवार्षिक परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 2 अंकों का भारांक अंक होगा।



- iii) 2 अंकों के लिए के लिए विषय शिक्षक CRP (कक्षा कक्ष में भागीदारी) के लिए मूल्यांकन करेंगे और अधिकतम 2 अंक देंगे।
- iv) 5 अंकों के लिए छात्रों द्वारा एक परियोजनात्मक कार्य किया जाएगा जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 5 अंकों का भारांक होगा।
- v) 5 अंकों के लिए विद्यार्थी की उपस्थिति के निम्नानुसार 5 अंक प्रदान किए जाएंगे।

75% से 80% तक - 01 अंक

80% से अधिक से 85% तक - 02 अंक

85% से अधिक से 90% तक - 03 अंक

90% से अधिक से 95% तक - 04 अंक

95% से अधिक से 100% तक - 05 अंक



पाठ्यक्रम संरचना (2024-25)

कक्षा- 11 वीं

विषय: हिन्दुस्तानी संगीत तबला

कोड: 652

क्रम संख्या	अध्याय	अंक
1	परिभाषाएं तथा संक्षिप्त नोट्स	04
2	अवनद्ध वाद्य के संदर्भ में नाट्य शास्त्र का ज्ञान	03
3	तबले का दिल्ली घराना	03
4	ताल अध्याय	06
5	वाद्यों का वर्गीकरण	02
6	जीवन परिचय तथा उनका संगीत के क्षेत्र में योगदान	12
7	भिन्न-भिन्न रचनाओं को ताल सहित लिपिबद्ध करना	
कुल		30
प्रायोगिक परीक्षा		50
आंतरिक मूल्यांकन		20
कुल योग		100



अध्याय 1: परिभाषाएं तथा संक्षिप्त नोट्स

- ग्रह
- जाति, जातियों के लक्षण
- काल
- तिहाई
- पेशकार
- चक्करदार टुकड़ा
- चक्करदार परन
- संगीत
- नाद व स्वर
- ताल, ताल के 10 प्राण
- आमद

अध्याय 2 : अवनद्ध वाद्यों के संदर्भ में नाट्य शास्त्र का ज्ञान

- नाट्य शास्त्र ग्रंथ का उद्भव
- समय तथा अविष्कारक
- नाट्यशास्त्र की विषयवस्तु
- नाट्य शास्त्र में वर्णित अवनद्ध वाद्य
- आंकिक, ऊर्ध्वक तथा आलिंग्य



अध्याय 3 : तबले का दिल्ली घराना

- तबले के दिल्ली घराने का उद्भव, संस्थापक तथा प्रतिनिधित्व
- शिष्य परंपरा
- दिल्ली घराने की वादन विशेषताएं

अध्याय 4 : ताल अध्याय

- तीन ताल, दादरा, कहरवा वरूपक की 1 गुण 2 गुण तथा चौगुन की ताल लिपियां, (विद्यार्थी ताल को लिखने व तबले पर बजाने में सक्षम हो)।
- 1 गुण 2 गुण तथा चौगुन में रचनाएं
- तीन ताल या आडी ताल में कायदा अथवा रेला, टुकड़ा अथवा परन लिखने में बजाने में सक्षम हो।
- झप ताल या सूल ताल में कायदा या रेला, टुकड़ा या परन लिखने में व बजाने में सक्षम हो।

अध्याय 5 : वाद्यों का वर्गीकरण

- वाद्य की परिभाषा तथा वर्गीकरण
- तत वाद्य, सुषीर वाद्य, अवनद्ध वाद्य, घन वाद्य
- लहरा

अध्याय 6 : जीवन परिचय, वादन विशेषतायें उनका संगीत के क्षेत्र में योगदान

- उस्ताद अहमद जान थिरकवा
- अल्लाह खां खां



- कूदूऊ सिंह (पखावज घराना)

अध्याय 7 : भिन्न-भिन्न रचनाओं को ताल सहित लिपिबद्ध करना

- भिन्न भिन्न रचनाओं को पाठ्यक्रम में दी गई ताल सहित लिपिबद्ध करके लिखना

क्रियात्मक

1. ताल तीन, ताल कहरवा, दादरा तथा रुपक का क्रियात्मक ज्ञान तथा तबले पर बजाने की क्षमता 1 गुण 2 गुण तथा चौगुणलय सहित
2. तीन ताल या आड़ी ताल में पेशकार या उठान, चार एडवांस कायदे, रेला, दो चक्करदार टुकड़े या परन, एक फरमाइशी चक्करदार टुकड़ा या परन
3. तीन ताल में पलटों के साथ रेले और तिहाई बजाने की क्षमता
4. तीन ताल या आड़ी ताल और लहरा बजाने की क्षमता



मासिक पाठ्यक्रम शिक्षण योजना (2024-25)

कक्षा- 11 वीं

विषय: हिन्दुस्तानी संगीत तबला

कोड: 652

मास	विषय -वस्तु	शिक्षण कालांश	दोहराई कालांश	प्रयोगात्मक कार्य
अप्रैल	ग्रह, जाति, काल, तिहाई, पेशकार, चक्करदार टुकड़ा, चक्करदार परन संगीत में उस्ताद अहमद जान थिरकवा तथा अल्लाहरक्खा खान का योगदान	12	04	08
मई	अवनद्ध वाद्य के संदर्भ में नाट्य शास्त्र का अध्ययन (आंकिक, ऊर्ध्वक और आलिंज	12	04	08
जून	ग्रीष्म कालीन अवकाश (गतिविधि आवंटित की जाए)			
जुलाई	तबले के दिल्ली घराने का ज्ञान संगीत, नाद औरस्वर, ताल तथा ताल के 10 प्राण, आमद और तिहाई की विवेचना	12	08	04
अगस्त	तीन ताल, दादरा, ताल कहरवा तथा रूपककी 1 गुण 2 गुण तथा चौगुन की ताल लिपियाँ (शास्त्रीय परिचय सहित) 1गुण 2 गुण तथा चौगुन में रचनाएं	06	06	12



सितंबर	वाद्यों का वर्गीकरण पखावज के घराने के कुदुरु सिंह का संगीत में योगदान अर्ध वार्षिक परीक्षा		04	08
अक्तूबर	तीन ताल या आड़ीताल में कायदा या रेला, टुकड़ा या परन, टुकड़ा लिखने की क्षमता झपताल या सूलताल में कायदा या रेला, टुकड़ा या परन, टुकड़ा लिखने की क्षमता (उपरोक्त सभी क्रियात्मक ज्ञान सहित)	12	04	08
नवंबर	भिन्न भिन्न रचनाओं को पाठ्यक्रम में दी गई तालों में लिपिबद्ध करना	06	10	08
दिसंबर	तीन ताल, कहरवा, दादरा वरूपक को तबले पर बजाने का ज्ञान तीन ताल या आड़ी ताल में पेशकार या उठान, 4 एडवांस कायदे, रेला, दो चक्करदार टुकड़े या परन, एक फरमाइशी चक्करदार टुकड़ा या परन तीन ताल में पलटों के साथ रेले और तिहाई बजाने की क्षमता	06	06	12



जनवरी	तीन ताल या आड़ी ताल और लहरा बजाने की क्षमता	08	08	08
फ़रवरी	दोहराई		12	10
मार्च	वार्षिक परीक्षा			

नोट:

- विषय शिक्षकों को सलाह दी जाती है कि वे छात्रों को शब्दावली या अवधारणा की स्पष्टता को बढ़ाने के लिए अध्यायों में उपयोग की जाने वाली शब्दावली / परिभाषात्मक शब्दों की नोटबुक तैयार करने के लिए निर्देशित करें।



प्रश्न पत्र प्रारूप (2024-25)

कक्षा- 11 वीं

विषय: हिन्दुस्तानी संगीत तबला

कोड: 652

समय: 2½ घंटे

प्रश्न का प्रकार	अंक	संख्या	विवरण	कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	01	08	02 बहु-विकल्पीय प्रश्न। 02 रिक्त स्थान भरो प्रश्न। 02 अभिकथन-कारण प्रश्न 02 एक शब्दीय प्रश्न।	08
अति लघुउत्तरात्मक प्रश्न	02	04	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	08
लघुउत्तरात्मक प्रश्न	03	03	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा	09
दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न	05	01	प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	05
कुल		16		30



BOARD OF SCHOOL EDUCATION HARYANA

Syllabus and Chapter wise division of Marks (2024-25)

Class- 11th **Subject:** Hindustani Music Tabla (Percussion Instrument)

Code: 652

General Instructions:

1. There will be an annual examination based on the entire syllabus.
2. The annual examination will be of 30 marks. The practical (practical) test will be of 50 marks and the internal assessment will be of 20 marks.
3. Practical (Practical) Examination for 50 marks, questions will be asked in the following manner.
 - i. Practical Booklet for 20 marks.
 - ii. Functional knowledge of Taal, Teen Taal, Kaharva, Dadra and Rupak and ability to play Tabla with 1 Guna, 2 Guna and Chauguna laya 15 marks.
 - iii. Peshkar or Uthan in Teen taal or adi taal, four advance kayde, rela, two Chakardar Tukra or paran, one Chakardar Tukra or paran 5 marks.
 - iv. Ability to play Raila and Tihai with Paltas in Teen Talas 5 marks
 - v. Ability to play Teen Taal or Aadi Taal and Lehra 5 marks

4. For Internal Assessment:

There will be Periodic Assessment that would include:

- i) For 6 marks- Three SAT exams will be conducted and will have a weightage of 06 marks towards the final Internal Assessment.
- ii) For 2 marks- One half yearly exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.
- iii) For 2 marks- Subject teacher will assess and give maximum 02 marks for CRP (Classroom participation).
- iv) For 5 marks- A project work to be done by students and will have a weightage of 05 marks towards the final Internal Assessment.
- v) For 5 marks- Attendance of student will be awarded 05 marks as:

75% to 80% - 01 marks



Above 80% to 85% - 02 marks

Above 85% to 90% - 03 marks

Above 90% to 95% - 04 marks

Above 95% to 100% - 05 marks



Course Structure (2024-25)

Class- 11th

Subject: Hindustani Music Tabla (Percussion Instrument)

Code: 652

Sr. No.	Chapter	Marks
1	Definitions and Brief Notes	04
2	Knowledge of Natya Shastra in the context of Avandha Vadya	03
3	Delhi Gharana of Tabla	03
4	Taal chapter	06
5	classification of instruments	02
6	Life introduction and his contribution in the field of music	12
7	Do a variety of compositions transcribing (Notation) with Taal	
Total		30
Practical Examination		50
Internal Assessment		20
Grand Total		100



Chapter 1: Definitions and Brief Notes

- Grah
- Jaati, characteristics of jaati
- Kala
- Tihai
- Peshkara
- Chakardar Tukra
- Chakardar Paran
- music
- Naad and swar
- Taal and its 10 Pranas.
- Aamad.

Chapter 2 Brief Knowledge of Natya Shastra with special reference to avanadha vadya.

- Origin of Natya Shastra book
- Time and Inventors
- Contents of NatyaShastra
- Avandhavadya mentioned in Natya Shastra
- Ankik, Urdhvak and Aalingya

Chapter 3 Delhi Gharana of Tabla

- Origin, Founder and Representation of Delhi Gharana of Tabla



- Shishya Parmpara
- Playing characteristics of Delhi Gharana

Chapter 4 Taal Chapter

- Taal scripts of Teen Taal, Dadra, Kaharwa, Rupak, 1 Guna, 2 Guna and Chaugun, (Student should be able to write Taal and play it on Tabla).
- Compositions in 1 Guna, 2 Guna and Chauguna
- Should be able to play Qaida or Raila, Tukda or Parana-writing in Teen taal or Aadi Taal.
- Should be able to write and play Qaida, rela, Tukda or Paran in Jhap Taal or Sool Taal.

Chapter 5 Classification of Instruments

- Definition and classification of instruments
- Tat Vadya, Sushir Vadya, Avandha vadya, Ghan Vadya
- Lehra

Chapter 6 Life introduction, playing characteristics, his contribution in the field of music

- Ustad Ahmad Jan Thirkawa
- Allah Rakhan Khan
- Kuduu Singh (Pakhawaj Gharana)

Chapter 7 Notation system in different compositions with taal

- Writing different compositions according to the Taal given in the syllabus

Functional

1. Functional knowledge of Taal, Teen Taal, Kaharva, Dadra and Rupak and ability to play Tabla with 1 Guna, 2 Guna and Chauguna laya.



2. Peshkar or Uthan in Teen taal or adi taal, four advance kayde, rela, two Chakardar Tukra or paran, one Farmaiysi Chakardar Tukra or paran.
3. Ability to play Raila and Tihai with Paltas in Teen Talas
4. Ability to play Teen Taal or Aadi Taal and Lehra



Monthwise Syllabus Teaching Plan (2024-25)

Class- 11th

Subject: Hindustani Music Tabla (Percussion Instrument)

Code: 652

Month	Subject- content	Teaching Periods	Revision Periods	Practical Work
April	Grah, Jaati, characteristics of jaati, Kala, Tihai, Peshkara, Chakardar Tukra, Chakardar Paran Contribution of Ustad Ahmed Jan Thirakwa and Allah Rakha Khan in music	12	04	08
May	Study of Natya Shastra with reference to Avandha Vadya (Ankika, Urdhvaka and Aalingya)	12	04	08
June	Summer Vacation (Activities to be assigned)			
July	Knowledge of Delhi Gharana of Tabla Explanation of 10 pranas, Aamads and Tihai. Music, Naad and Swar, Taal.	12	08	04
August	Taal Scripts of Teen Taal, Dadra, Taal Kaharwa and Rupak with 1 Guna 2 Guna and Chaugun (with classical introduction)	06	06	12



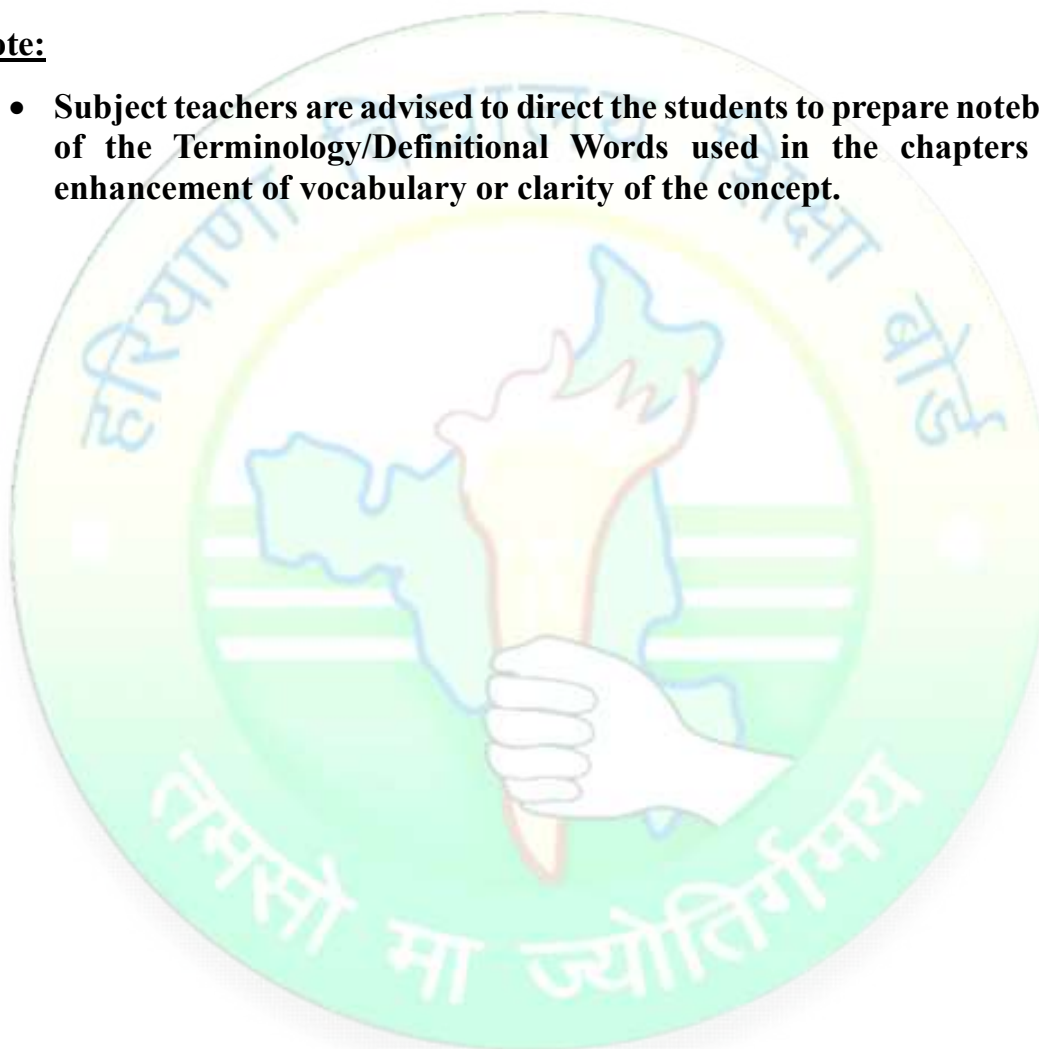
	Compositions in 1 Guna, 2 Guna and Chauguna			
September	classification of instruments Contribution of Kudu Singh of Pakhawaj Gharana to music Half yearly Examination		04	08
October	Ability to write qaida or rela, tukda or paran, Tukra in Teen taal or aadi taal Ability to write Qaida or Rela, Tukda or Paran, Tukda in Jhap taal or Sool taal (including all the above functional knowledge)	12	04	08
November	Noting different compositions in tala given in the syllabus	06	10	08
December	Knowledge of playing Teen Taal, Kaharwa, Dadra Rupak on Tabla Peshkar or uthan in Teen Taal or Aadi Taal, 4 advance kayde, rela, two Chakardar Tukras or paran, one Farmaishi chakardar Tukra or paran, Tihai	06	06	12
January	Ability to play Teen Taal or Aadi Taal and Lehra	08	08	08



February	Revision		12	10
March	Annual Examination			

Note:

- Subject teachers are advised to direct the students to prepare notebook of the Terminology/Definitional Words used in the chapters for enhancement of vocabulary or clarity of the concept.



Question Paper Design(2024-25)

Class- 11th

Subject: Hindustani Music Tabla (Percussion Intstrumnet)

Code: 652

Time: 2½ Hours

Type of Question	Marks	Number	Description	Total Marks
Objective type questions	01	08	04 Multiple choice questions. 02 Fill in the blanks Questions. 02 Assertion Reason Questions. 02 One-word questions.	08
Very short answer type questions	02	04	Internal choice will be given in all questions.	08
Short answer questions	03	03	Internal choice will be given in all questions.	09
Long answerable Question	05	01	Question will be given with internal choice.	05
Total		16		30



हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रम एवं अध्यायवार अंको का विभाजन (2024-25)

कक्षा-11वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत गायन कोड:638

सामान्य निर्देश:

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर एक वार्षिक परीक्षा होगी।
2. वार्षिक परीक्षा 30 अंकों की होगी, प्रायोगिक/क्रियात्मक परीक्षा 50 अंकों की होगी और आंतरिक मूल्यांकन 20 अंकों का होगा।
3. प्रायोगिक/क्रियात्मक परीक्षा 50 अंकों के लिए निम्न प्रकार से प्रश्न पूछे जायेंगे -
 - i) 20 अंकों की प्रायोगिक/क्रियात्मक पुस्तिका।
 - ii) किसी एक राग के शास्त्रीय परिचय के 05 अंकों की मौखिक परीक्षा।
 - iii) किसी एक ताल का शास्त्रीय परिचय के 05 अंकों की मौखिक परीक्षा।
 - iv) किसी एक राग और किसी एक ताल के (एक सरगम गीत, एक तराना, एक विलंबित ख्याल सहित) के क्रियात्मक ज्ञान के लिए 15 अंक।
 - v) भजन, राष्ट्रीय गान (हारमोनियम पर) के मौखिक ज्ञान तथा क्रियात्मक परीक्षा के लिए 05 अंक।
4. आंतरिक मूल्यांकन के लिए निम्नानुसार आवधिक मूल्यांकन होगा:
 - i) 06 अंकों के लिए तीन SAT परीक्षा आयोजित की जायेगी जिनका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 06 अंकों का भारांक होगा।
 - ii) 02 अंकों के लिए एक अर्ध-वार्षिक परीक्षा आयोजित की जायेगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।
 - iii) 02 अंकों के लिए विषय शिक्षक CRP (कक्षा कक्ष की भागीदारी) के लिए मूल्यांकन करेंगे और अधिकतम 02 अंक देंगे।
 - iv) 05 अंकों के लिए छात्रों द्वारा एक परियोजना कार्य किया जायेगा जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 05 अंकों का भारांक होगा।



- v) 05 अंकों के लिए विद्यार्थी की उपस्थिति के निम्नानुसार 05 अंक प्रदान किए जायेंगे।

75% से 80% तक - 01 अंक

80% से अधिक से 85% तक - 02 अंक

85% से अधिक से 90% तक - 03 अंक

90% से अधिक से 95% तक - 04 अंक

95% से अधिक से 100% तक - 05 अंक



पाठ्यक्रम संरचना (2024-25)

कक्षा-11वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत गायन कोड:638

क्रम संख्या	अध्याय	अंक
1	संगीत (परिचय एवं परिभाषाएं)	06
2	गायन शैलियां	03
3	थाट तथा राग	03
4	उत्तरी तथा दक्षिणी भारतीय स्वरलिपि पद्धति	03
5	तालों का अध्ययन	03
6	रागों का अध्ययन	12
7	संगीतज्ञों के जीवन परिचय	
8	संगीत का इतिहास	
कुल		30
प्रायोगिक परीक्षा		50
आंतरिक मूल्यांकन		20
कुल योग		100



1. संगीत (परिचय एवं परिभाषाएं)

- संगीत की परिभाषा
- संगीत का परिचय
- संगीत के प्रकार
- सुगम संगीत व शास्त्रीय संगीत
- लोक संगीत की विवेचना
- ध्वनि की परिभाषा
- नाद, नाद की परिभाषा, अर्थ, प्रकार, नाद के लक्षण तथा महत्व
- श्रुति का शाब्दिक अर्थ तथा परिभाषा
- श्रुति स्वर स्थापना
- स्वर, स्वर के प्रकार, शुद्ध व विकृत स्वर
- सप्तक, सप्तक के प्रकार

2. गायन शैलियां

- गीत की परिभाषा व भाग
- लक्षण गीत
- सरगम गीत
- तराना तथा उसकी विशेषताएं
- ख्याल, ख्याल का शाब्दिक अर्थ, परिभाषा, प्रकार तथा अन्य विशेषताएं
- निबद्ध तथा अनिबद्ध गान

3. थाट तथा राग

- थाट की परिभाषा नियम तथा विशेषताएं
- राग की परिभाषा नियम तथा विशेषताएं



4. उत्तरी तथा दक्षिणी भारतीय संगीत पद्धति

- स्वर लिपि की परिभाषा तथा प्रकार
- उत्तरी भारतीय संगीत पद्धति के अविष्कारक तथा चिन्ह
- दक्षिणी भारतीय संगीत पद्धति के अविष्कारक तथा चिन्ह
- दोनों पद्धतियों में समानताएं तथा असमानताएं
- स्वरलिपि पद्धति के लाभ तथा हानियां

5. तालों का अध्ययन

- लय तथा ताल की परिभाषा
- तीन ताल, कहरवा, रूपक और दादरा
(उपरोक्त तालों का शास्त्रीय परिचय, 1 गुण तथा 2 गुण)

6. रागों का अध्ययन

- राग आसावरी
- राग जौनपुरी
- राग यमन
(उपरोक्त रागों की स्वरलिपी, आरोह, अवरोह, पकड़, दो अलाप, दो तान तथा स्वरलिपि सहित)
- रागों में अलंकारों का निर्माण तथा उनका नियमित अभ्यास।
- दिए गए स्वर समूह से राग पहचानना।
- किसी भी एक राग में एक सरगम गीत, एक तराना व एक विलंबित ख्याल।

7. संगीतज्ञों के जीवन परिचय

- पंडित विष्णु नारायण भातखंडे
- पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर



- बैजू बावरा

8. संगीत का इतिहास

- वैदिक काल से 12वीं शताब्दी तक संगीत रत्नाकर सहित

क्रियात्मक संगीत

- निम्नलिखित रागों का छोटा ख्याल, (आलाप तथा तानों सहित)
 - राग आसावरी
 - जौनपुरी
 - यमन
 - (प्रत्येक राग में कम से कम एक द्रुत ख्याल)
 - पाठ्यक्रम में दिए गए रागों में से किसी भी एक राग में कम से कम 1 विलम्बित ख्याल, एक सरगम गीत तथा एक तराना
 - एक भजन
 - राष्ट्रीय गान हारमोनियम सहित
 - तीन ताल, कहरवा, रूपक ताल, दादरा ताल में 1 गुण तथा 2 गुण हाथ पर बजा कर



मासिक पाठ्यक्रम शिक्षण योजना (2024-25)

कक्षा-11वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत गायन कोड:638

मास	विषय -वस्तु	शिक्षण कालांश	दोहराई कालांश	प्रयोगात्मक कार्य
अप्रैल	संगीत,ध्वनि,नाद, श्रुति,स्वर, स्वर के प्रकार, सप्तक सप्तक के प्रकार,अलंकार की परिभाषाएं। लोकसंगीत, सुगम संगीत, शास्त्रीय संगीत	12	08	04
मई	गीत, लक्षण गीत, सरगम गीत, तराना खयाल, निबद्ध गान तथा अनिबद्धगान 1 भजन (क्रियात्मक रूप में)	12	08	04
जून	ग्रीष्म कालीन अवकाश (गतिविधि आवंटित की जाए)			
जुलाई	थाट तथा राग तीनताल, राग आसावरी,	10	05	09
अगस्त	उत्तर तथा दक्षिणी भारतीय स्वरलिपि पद्धति राष्ट्रीय गान (हारमोनियम पर) क्रियात्मक रूप में	12	06	06
सितंबर	दोहराई अर्धवार्षिक परीक्षा		12	



अक्तूबर	कहरवा ताल, रूपक तथा दादराताल (1 गुण तथा 2 गुण सहित) विद्यार्थी ताल को हाथ पर बजाने में सक्षम हो। जौनपुरी तथा यमन का शास्त्रीय परिचय आरोह, अवरोह, पकड़ सहित	08	04	12
नवंबर	दिए गए स्वर समूह में से राग पहचानना प्रत्येक राग के छोटा ख्याल की बंदिश स्वरलिपि तथा आलाप व तान उपरोक्त किसी भी एक राग में विलंबित ख्याल, 1 सरगम गीत तथा 1 तराना (प्रायोगिक ज्ञान के साथ)	08	04	12
दिसंबर	पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर, पंडित विष्णु नारायण भातखंडे, बैजू बावरा का जीवन परिचय	12	06	06
जनवरी	वैदिक काल से 12वीं शताब्दी तक संगीत रत्नाकर सहित	06	04	06
फ़रवरी	दोहराई			
मार्च	वार्षिक परीक्षा			



नोट: विषय शिक्षकों को सलाह दी जाती है कि वे छात्रों को शब्दावली या अवधारणा की स्पष्टता को बढ़ाने के लिए अध्यायों में उपयोग की जाने वाली शब्दावली /परिभाषात्मक शब्दों की नोटबुक तैयार करने के लिए निर्देशित करें

प्रश्न पत्र प्रारूप(2024-25)

कक्षा-11वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत गायन कोड:638

समय: समय: 2½ घंटे

प्रश्न का प्रकार	अंक	संख्या	विवरण	कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	01	08	02 बहु-विकल्पीय प्रश्न। 02 रिक्त स्थान भरो प्रश्न। 02 अभिकथन-कारण प्रश्न 02 एक शब्दीय प्रश्न।	08
अति लघुउत्तरात्मक प्रश्न	02	04	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा	08
लघुउत्तरात्मक प्रश्न	03	03	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	09
दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न	05	01	प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	05
कुल		16		30



BOARD OF SCHOOL EDUCATION HARYANA

Syllabus and Chapter wise division of Marks (2024-25)

Class- 11th

Subject: **Hindustani Music Vocal (MHV)**

Code: **638**

General Instructions:

1. There will be an annual examination based on the entire syllabus.
2. The annual examination will be of 30 marks. The practical (practical) test will be of 50 marks and the internal assessment will be of 20 marks.
3. Practical (Practical) Examination for 50 marks, questions will be asked in the following manner.
 - i) Practical Booklet of 20 marks.
 - ii) 05 marks for viva about classical knowledge of any one raga.
 - iii) 05 marks for viva about classical knowledge of any one taal.
 - iv) 15 marks for working knowledge of any one Raga and any one Taal (including one sargam song, one tarana, one Vilambit khayal).
 - v) 5 marks for oral and practical test of Bhajan, National Anthem (on Harmonium).

4. For internal assessment:

The periodic evaluation will be as follows:

- i) For 6 marks - Three SET exams will be conducted which will have a weightage of 06 marks for the final internal assessment.
- ii) For 2 marks - A half-yearly examination will be conducted which will have a weightage of 02 marks for the final internal assessment.
- iii) For 02 marks - The subject teacher will evaluate for CRP (classroom participation) and give a maximum of 02 marks.



- iv) For 05 marks - A project work will be done by the students which will have a weightage of 05 marks for the final internal assessment.
- v) For 05 marks - 05 marks will be awarded as per the attendance of the student.

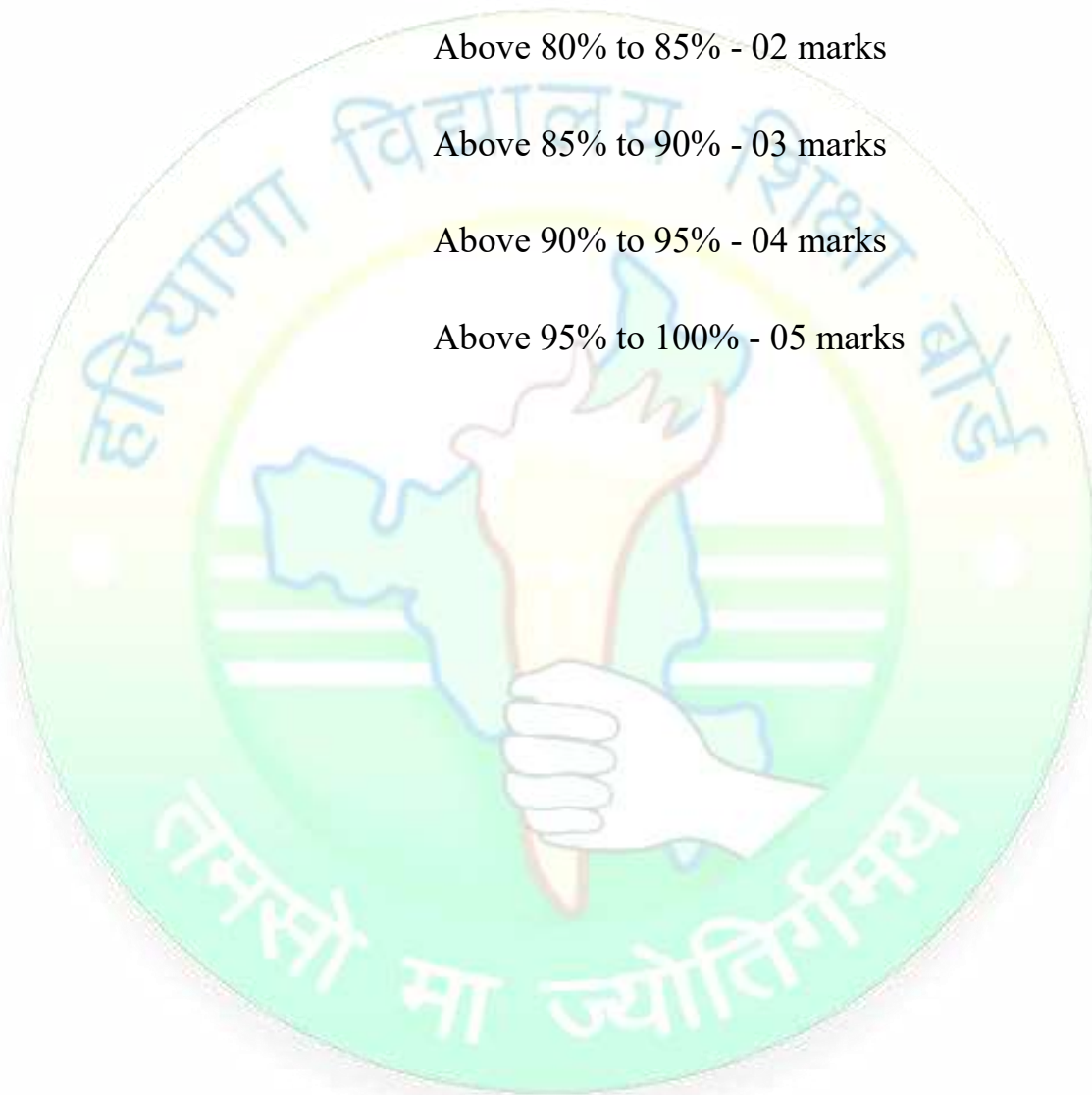
75% to 80% - 01 marks

Above 80% to 85% - 02 marks

Above 85% to 90% - 03 marks

Above 90% to 95% - 04 marks

Above 95% to 100% - 05 marks



Course Structure (2024-25)

Class- 11th

Subject: Hindustani Music Vocal (MHV)

Code: 638

Sr. No.	Chapter	Marks
1	Music (Introduction and Definitions)	06
2	Singing styles	03
3	Thaat and raga	03
4	North and South Indian Notation system	03
5	Study of Taalas	03
6	Study of Raagas	12
7	Biographies of musicians	
8	History of music	
Total		30
Practical Examination		50
Internal Assessment		20
Grand Total		100



1. Music (Introduction and Definitions)

- Definition of Music
- Introduction to Music
- Types of Music
- Light music and classical music
- Interpretation of folk music
- Definition of Sound
- Sound, definition of sound, meaning, types, characteristics and importance of sound
- Literal meaning and definition of Shruti
- Shruti Swar Establishment
- Swara, types of Swara, pure and distorted (Shudh and Vikrit) Swara
- Saptak, Types of Saptak

2. Singing Styles

- Definition and parts of a song
- Lakshan geet
- Sargam Geet
- Tarana and its features
- Khayal, literal meaning of Khayal, definition, types and other features
- Nibadh gaan and aanibadh gaan

3. Thaats and Raags

- Definition, rules and features of Thaats
- Definition, rules and characteristics of raga

4. Northern and Southern Indian Music Systems

- Definition and types of Notation



- Inventors and Symbols of North Indian Music System
- Inventor and symbol of South Indian music system
- Similarities and differences between the two methods
- Advantages and Disadvantages of Swarlipi System

5. Study of Taalas

- Definition of rhythm and beat
 - Teen Taal, Kaharwa, Rupak and Dadra
- (Classical introduction of the above talas, 1 guna and 2 guna)

6. Study of ragas

- Raga asavari
- Raag Jaunpuri
- Raga Yaman

(including swarlipi, aaroh, avaroh, pakdar, two alap, two tan and swarlipi of the above ragas)

- Creation of Alankar in ragas and their regular practice.
- Identifying Raag from a given set of swaras.
- One sargam song, one tarana and one Vilambit khyal in any one raga.

7. Biographies of Musicians

- Pandit Vishnu Narayan Bhatkhande
- Pandit Vishnu Digambar Paluskar
- Baiju Bawra

8. Music History

- Music from Vedic period to 12th century including Ratnakar



Practical:

- Drut khyal of the following Ragas (with Aalap and Tanas)
 - ☐ Raag Asavari
 - ☐ Jaunpuri
 - ☐ Yaman
- (At least one Drut Khyal in each raga)
- At least 1 Vilambit khyal, one sargam song and one tarana in any one of the ragas given in the syllabus
 - ☐ devotional song (Bhajan)
 - ☐ National Anthem with Harmonium
 - ☐ 1 guna and 2 guna in Teen Taal, Kaharva, Rupak Taal, Dadra Taal by playing on hand



Monthwise Syllabus Teaching Plan (2024-25)

Class- 11th

Subject: Hindustani Music Vocal (MHV)

Code: 638

Month	Subject- content	Teaching Periods	Revision Periods	Practical Work
April	Definitions of Music, Sound, Naad, Shruti, Swar, Types of Swar, Saptak Saptak, Alankar. Folk Music, Light Music, Classical Music	12	08	04
May	Geet, Lakshan Geet, Sargam Geet, Tarana Khayal, Nibaddha Gaan and Anibaddhagaan One Bhajan (in active form)	12	08	04
June	Summer Vacation (Activity to be assigned)			
July	thaat and raag Teental, Raag Aasavari,	10	05	09
August	north and south indian Notation system National Anthem (on Harmonium) in Action	12	06	06
September	Revision Half Yearly Examination		12	
October	Kaharva Tal, Rupak and Dadratal (with 1 gun and 2 gun) The student should be able to play the taal on hand.	08	04	12



	Classical introduction to Jaunpuri and Yaman with Aaroh, Avaroh, Pakad			
November	Identifying a Raag from a given set of notes Bandish swaralipi and alap and tan of Dhrut khayal of each raga Vilambit Khayal in any one of the above Ragas, 1 Sargam Geet and 1 Tarana (with practical knowledge)	08	04	12
December	Biography of Pandit Vishnu Digambar Paluskar, Pandit Vishnu Narayan Bhatkhande, Baiju Bawra	12	06	06
January	History of Music from the Vedic Period to the 12th Century with Sangeet Ratankar	06	04	06
February	Revision			
March	Annual Examination			



Note:

- Subject teachers are advised to direct the students to prepare notebook of the Terminology/Definitional Words used in the chapters for enhancement of vocabulary or clarity of the concept.

Question Paper Design (2024-25)

Class- 11th

Subject: Hindustani Music Vocal (MHV) Code: 638

Time: 2½ Hours

Type of Question	Marks	Number	Description	Total Marks
Objective type questions	01	08	02 Multiple choice questions. 02 Fill in the blanks Questions. 02 Assertion Reason Questions 02 One-word question	08
Very short answer type questions	02	04	Internal choice will be given in all questions.	08
Short answer questions	03	03	Internal choice will be given in all questions.	09
Long answerable Question	05	01	Question will be given with internal choice	05
Total		16		30



Haryana Board Study Material



Syllabus



Model Papers



Previous Year Question Papers



Books



Notes